Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ संतोषी माता व्रत उद्यापन ॥

॥ जय संतोषी माता ॥

Full Disclaimer

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ उद्यापन की तैयारी ॥

अपने संकल्प के शुक्रवार पूरे होने पर अंतिम शुक्रवार या पारिवारिक रीति के अनुसार अगले उपयुक्त शुक्रवार को उद्यापन करें। सोलह शुक्रवार का उद्यापन सबसे प्रचलित है। पूजा और भोजन की व्यवस्था पहले से करें, ताकि सबको आदर से शामिल किया जा सके।

पूजा और भोजन सामग्री

माता का चित्र, चौकी, फूल, दीप, जलपात्र, गुड़-चना, कथा पुस्तक और आरती की सामग्री रखें। भोजन में खीर, पूड़ी तथा चने का सादा व्यंजन प्रचलित है। खट्टी सामग्री न मिलाएँ; अपनी क्षमता के अनुसार स्वच्छ, पर्याप्त भोजन बनाएँ।

अतिथियों को बुलाना

एक प्रचलित विधि में आठ बालकों को भोजन कराया जाता है। घर में यह संभव न हो तो अपनी परंपरा और परिस्थिति के अनुसार बच्चों या ज़रूरतमंद लोगों को सम्मानपूर्वक भोजन कराएँ। किसी बच्चे पर खाने या उपवास के नियम थोपें नहीं।

भोजन में किसी को एलर्जी या विशेष खानपान की आवश्यकता हो तो पहले पूछ लें। पूजन का उद्देश्य श्रद्धा और उदारता है, भोजन की मात्रा या खर्च दिखाना नहीं।

HarGharPanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ उद्यापन का सरल क्रम ॥

१. विशेष पूजा और कथा

सुबह पूजा स्थान तैयार करें, संकल्प का स्मरण कर संतोषी माता को फूल, दीप और गुड़-चना अर्पित करें। व्रत कथा पढ़ें या सुनें तथा आरती करें। मन में मिली सहायता के प्रति आभार व्यक्त करें।

२. बिना खटाई का भोजन

आमंत्रित अतिथियों को प्रेम से खीर, पूड़ी और चने का भोजन परोसें। व्रत की प्रचलित रीति के अनुसार व्यंजन और प्रसाद में खटाई न रखें। भोजन के बाद फल या मिठाई जैसे छोटे उपहार दिए जा सकते हैं; रीति घरों में भिन्न है।

३. समापन और प्रसाद

सबको धन्यवाद देकर माता से क्षमा और मंगल की प्रार्थना करें। फिर परिवार के साथ प्रसाद ग्रहण करें। शेष स्वच्छ भोजन ज़रूरतमंदों में बाँटें और पूजा की सामग्री का उचित उपयोग करें।

कथा में आठ बालकों को खिलाना और फल देना विशेष रूप से आता है। यदि व्यवस्था भिन्न हो तो श्रद्धा, भोजन की गरिमा और अतिथियों की सहजता को प्राथमिकता दें।

॥ जय संतोषी माता ॥